माल्थस का जनसंख्या-सिद्धांत

(Malthusian Theory of Papulation)

प्रस्तुतकर्ता

डॉ. सुषमा शर्मा

सहा. प्राध्यापक - समाजशास्त्र

डी.पी. विप्र महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

विषय

- सिद्धांत की प्रमुख बाते
- माल्थस सिद्धांत का रेखाचित्र
- आलोचना
- सिद्धांत की सत्यता

माल्थस सिद्धांत की प्रमुख बाते –

१. मान्यताएँ

२. जनसंख्या ज्यामितिक अनुपात से बढ़ती है

३. खाद्य सामाग्री में वृद्धि अंकगणिती अनुपात में होती है।

४. जनसंख्या और खाद्य-सामग्री में असंतुलन

५. जनसंख्या पर प्रतिबंध

६. नैसर्गिक अवरोध

७. प्रतिबन्धक अवरोध –

१. नैतिक प्रतिबंध

२. कृत्रिम साधनो से अवरोध

माल्थस का सिद्धांत

जनसंख्या में ज्यामितीय दर से वृद्धि

खाद्यान्न में अंकगणितीय दर में वृद्धि

फलतः जनसंख्या और खाद्याान पूर्ति में असंतुलन

इसे दूर करने के उपाय, जनसंख्या निरोध के दो तरीके

नैसर्गिक या प्राकृतिक अवरोध

युद्ध, बीमारियाँ, अकाल, बाढ़, भूकम्प आदि।

ये कष्टकारक है

प्रतिबंधक (कृत्रिम) अवरोध

नैसर्गिक प्रतिबंध

संयम, ब्रह्मचर्य, विलम्ब विवाह

इन्हीं के द्वारा जनसंख्या नियंत्रण का सुझाव

संतति निग्रह के कृत्रिम साधन

माल्थस इन्हे पाप समझते हैं

रेखाचित्र – माल्थस का जनसंख्या सिद्धांत

आलोचना

१. इस सिद्धांत की आधाभूत मान्यताएँ असत्य

२. गणितात्मक निष्कर्ष भी सही नहीं

३. इतिहास पुष्टि नहीं करता

४. वैज्ञानिक अविष्कारों के प्रभावों को भुला दिया

५. देश की सहीं आर्थिक स्थिति का परिचायक नहीं

६. व्यक्ति को उपभोक्ता के रूप में अधिक देखा

७. गुणात्मक पक्ष और न्यायोचित वितरण पर ध्यान नहीं

८. प्रतिबंधक अवरोध संतोषजनक नहीं

९. वर्तमान परिस्थिति में निरर्थक है

१०. प्राणीशास्त्रीय तथ्यों की उपेक्षा की

सिद्धांत की सत्यता

१. आज भी जंगली अर्धसभ्य और सभ्य जाति में निम्न श्रेणी के मनुष्यों के लिए सत्य है।

२. यह सिद्धांत प्रगतिशील और उन्नत देशों में भी यथार्थ

३. निष्कर्ष आज भी सत्य है

४. प्राकृतिक अवरोधों की क्रियाशीलता से मृत्युदर बढ़ेगी

५. खाद्य सामग्री का कुल उत्पादन निश्चित हैं

६. दुनिया के तमाम अल्पविकसित व विकासशील देशो में आज भी प्रमाणित